जसनाथ जी :

- जन्म → 1482 → कतरियासर BKNR
- पिता → हम्मीर जाट
- माता → रूपा दे
- गुरू → गोरखनाथ
- ज्ञान प्राप्ति → 12 वर्ष
- जीवित समाधि → कतरियासर (24 वर्ष)
- सबसे कम उम्र में जीवित समाधि लेने वाले सन्त

जसनाथ जी राव लूणकरण को BKNR का राजा बनने का आशीर्वाद दिया

मेला → आश्विन शुक्लपक्ष सप्तमी

नृत्य → अग्नि नृत्य (खेजड़ी वृक्ष के अंगारे)

↳ यह नृत्य करते फत्ते-फत्ते का वाचन

↳ प्रमुख पंथ : सम्भूदड़ा, कोड़ापंथ, जलम झूलरी, सिद्धराजरी सिटलोको

↳ गले में काली ऊन का धागा पहनते है।

↳ सिकन्दर लोदी ने 500 बीघा भूमि दान दी → जसनाथजी

↳ प्रमुख पीठ → कतरियासर BKNR

↳ मोर पंखी और जाल वृक्ष को पवित्र मानते है।

यशोनाथ पुराण → (रामनाथ जी का ग्रन्थ) → इस सम्प्रदाय की बाईबल

जीवसमझौतरी ग्रन्थ → लालनाथ जी

→ अन्य संत → आगो जी, हांसो जी, पालो जी

जसनाथ जी की पत्नी
↓
कालल दे

→ अन्य मन्दिर : बिमलसर
पुनरासर
लिखमीसर
मालासर
} → BKNR

पांचला → नागौर

दादू सम्प्रदाय → धुनियापरिवार → दादूदयालजी

↳ जन्म → अहमदाबाद (साबरमती नदी)

↳ उपनाम : राज० का शंकराचार्य, राज. का कबीर

एकमात्र सम्प्रदाय < ना शव जलाते / ना दफनाते } – जंगल में छोड़ते हैं

↳ गुरु → बुड्ढोजी, वृद्धानन्दजी

↳ प्रथम उपदेश 1568 → सांभर

↳ दादू सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ → नरायणा भैराणा पर्वत → जयपुर : 1585

→ सत्संग स्थल → अलख दरीबा चौगान

→ समाधिस्थल → दादू खोल गुफा

→ पूजा → वाणी ग्रंथ

→ ग्रंथ → सधुक्कड़ी, ढूंढाड़ी भाषा में लिखे

↳ दादूदयाल रा दूहा, हरडे वाणी, दादू वाणी

↳ पंच तीर्थ : सांभर, आमेर, कल्याणपुर, नराणा, नरायणा

1585 आमेर शासक भगवंत दास के सहयोग से फतेहपुर सिकरी में दादू जी मुगल शासक अकबर से मिले (40 दिन)

↳ गौहत्या पर रोक लगवायी

मेला → फाल्गुन शुक्ल अष्टमी

दादूदयाल जी 152 शिष्य थे
- 100 एकान्तवासी
- 52 स्तम्भ

शिष्य : रज्जबजी, गरीबदास, सुन्दरदास
बखानदास, माधोदास, मिस्किनदास
बालिन्द जी :→ ग्रन्थ → "आरिलो"

प्रमुख पीठ → 1575 → नरायना भैराणा पर्वत जयपुर

प्रमुख शाखाएं :

1 → खाकी
2 विरक्त
3. खालसा
4. स्थानधारी | उतरार्द्ध
5 नागा शाखा → सन्त सुन्दरदास जी → क्षत्रिय
→ दौसा
→ मूल नाम भीमराज

रज्जब जी : पठान परिवार से

- दादू दयाल जी के प्रमुख शिष्य
- ग्रन्थ → रज्जब वानी, सर्वंगी, अंगबधु
- आजीवन दुल्हे के वेश में रहने वाले सन्त
- कथन → संसार वेद है सृष्टि कुरान

सुन्दरदास जी → वैश्य –

- शंक० का दूसरा शंकराचार्य
- ग्रन्थ → सुन्दरसार, सुन्दर वाणी, ज्ञान समुद्र, ज्ञान सवैया

भालदासी सम्प्रदाय

- संस्थापक → भालदासजी
- जन्म → धौलीडब अलवर
- पिता → चान्दमल लकड़हारा
- माता → समदा
- गुरु → गाधन चिश्ती
- प्रमुख पीठ → नगला भरतपुर
- ग्रन्थ → भालदासजी की चेतावनी
- मेला → आश्विन पूर्णिमा

इस सम्प्रदाय में गधे पर बैठाकर मुह काला करके गले में जुतो की माला पहनाकर हवारी निकाली जाती है।

मेव जाति की लड़की के साथ विवाह करना

निरंजनी सम्प्रदाय :

- संस्थापक → हरिदासजी
- इन्हें कलयुग का वाल्मिकी
- जन्म → कापड़ोद → डीडवाना | कुचामण
- तपस्या → तीखी डुंगरी पहाड़ी → नागौर
- पीठ → गादाबास → डीडवाना कुचामण
- वस्त्र → खाकी रंग के वस्त्र
- ग्रन्थ → साखी, भरथरी संवाद, हरिपुरुष की वाणी राज प्रकाश

चरणदासी सम्प्रदाय → सगुण, निर्गुण → दोनों रूप में पूजा

↳ जन्म → डेहरा अलवर → 1760

पिता → मुरली धर

माता → कुंजो बाई

बचपन का नाम → रणजीत सिंह

गुरू → शुकदेव मुनी

समाधि स्थल → दिल्ली

वस्त्र-पीले रंग के

एकमात्र सम्प्रदाय जिनका जन्म अलवर में लेकिन प्रमुख पीठ दिल्ली में स्थित है।

भविष्यवाणी → नादिरशाह के आक्रमण की भविष्यवाणी

नियम → 42 नियम

मेला → "बसन्त पंचमी" → माघ शुक्ल पंचमी

→ ग्रन्थ → ब्रह्मज्ञान, ब्रह्मसागर, ब्रह्मचरित्र, भक्तिसागर
ज्ञानसर्वोदय, शब्द, धर्म जहाज

→ महिला शिष्या : सहजो बाई → ग्रन्थ → सहज प्रकाश, सोलह तिथि
दया बाई → दया बोध | विनय मलिका

सन्त पीपा : गागरोण झालावाड़ के राजा

- ↳ मूल नाम → प्रताप सिंह
- ↳ गुरु → रामानन्द जी
- ↳ ग्रन्थ → चेतावनी जोग
- ↳ मन्दिर → समदड़ी गांव बालोतरा
- ↳ गुफा → टोडा टोंक
- ↳ छतरी → गागरोण दुर्ग
- ↳ फिरोज शाह तुगलक के साथ युद्ध

दर्जी समुदाय के लोग पूजा करते है।

मेला → चैत्र पूर्णिमा